C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

गीता जीने की कला सीखाती है मेरा हृदय फटता है। जब मैं देखता हूँ कि हमारा समाज आज हमारी संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों की अवहेलना करता हैं। आप चाहे जहाँ जाएँ, परंतु संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों को हमेशा याद रखे। संसार के सारे सुख क्षण भंगुर एवं अस्थायी होते हैं। वास्तविक सुख हमारी आत्मा में ही है। चरित्र नष्ट होने से मनुष्य का सब-कुछ नष्ट हो जाता है। संसार के राज्य पर विजयी होने पर भी आत्मा की हार सबसे बड़ी है। यही है हमारी संस्कृति का सार, जो अभ्यास द्वारा सुगम बनाकर कार्यरूप में परिणत किया जा सकता है।

1. लेखक का हृदय कब फटता है?
2. लेखक हमसे किस बात का हमेशा ध्यान रखने के लिए कहता है?
3. मनुष्य का सब-कुछ कब नष्ट हो जाता है?
4. सच्चे सुख के बारे में लेखक ने क्या कहा है?
5. गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

प्र. 1. (ब) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखिए : 2x3=6

युग-युग अजेय, निर्बन्ध, मुक्त !
युग-युग शुचि, गर्वोन्नत, महान !
निस्सीम व्योम में तान रहा
युग से किस महिमा का वितान?
कैसी अखंड यह चिर-समाधि,
यतिवर ! कैसा यह अमर ध्यान?
तू महाशून्य में खोज रहा
किस जटिल समस्या का निदान?
उलझन का कैसा विषम जाल?
मेरे नगपति ! मेरे विशाल !

1. युग-युग अजेय, निर्बन्ध, मुक्त शब्दों में निहित भाव को समझाइए।
2. कवि ने हिमालय को यहाँ पर 'यतिवर' क्यों कहा है? समझाइए।
3. कवि ने हिमालय की तुलना किससे की है? और वह महाशून्य में क्या खोज रहा है?

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2

ढक्कन, दंडित

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3

सास, नदियां

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

जिंदगी, फैसला

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

जन्गल, कन्स

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3

मजहबी, दैनिक

ख) उचित उपसर्ग पहचानिए :

दुर्लभ, संचालन

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए :

शोभित, चलाऊ

प्र. 5. क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। 3

1. काश मैं उसे मिल पाता
2. बच्चों योगाभ्यास से जीवन नियमित बनता है
3. तो मैं क्या करूँ

ख) निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4

उल्लेख, पुष्पांजलि, सदैव, महेंद्र

खंड 'ग'

प्र. 6. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए : (2+2+1) = 5

1. लेखक ने संसार में किस प्रकार के सुख को दुर्लभ माना है?
2. कीचड़ जैसा रंग कौन लोग पंसद करते हैं?
3. धर्म के स्पष्ट चिह्न क्या हैं?

प्र. 6. (ब) हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं? 5

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?
2. 'माँग मत', 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहता है?
3. नए इलाके में कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है?

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

1. 'आदमीनामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है ?

प्र. 8. जज को पटेल की सज़ा के लिए आठ लाइन के फ़ैसले को लिखने में डेढ़ घंटा क्यों लगा? 5

खंड - 'घ'

प्र. 9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

1. बेरोज़गारी
2. सत्संगति
3. ऋतुओं के बदलते रूप

प्र. 10. छोटी बहन नक़ल करते पकड़ी गई है, उसका दुष्परिणाम बताते हुए उसे पत्र लिखें। 5

प्र. 11. दिए गए चित्र का वर्णन करें : 5

प्र. 12. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें।

प्र. 13. मोबाइल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) $(1\times1) = 9$

गीता जीने की कला सीखाती है मेरा हृदय फटता है। जब मैं देखता हूँ कि हमारा समाज आज हमारी संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों की अवहेलना करता हैं। आप चाहे जहाँ जाएँ, परंतु संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों को हमेशा याद रखे। संसार के सारे सुख क्षण भंगुर एवं अस्थायी होते हैं। वास्तविक सुख हमारी आत्मा में ही है। चरित्र नष्ट होने से मनुष्य का सब-कुछ नष्ट हो जाता है। संसार के राज्य पर विजयी होने पर भी आत्मा की हार सबसे बड़ी है। यही है हमारी संस्कृति का सार, जो अभ्यास द्वारा सुगम बनाकर कार्यरूप में परिणत किया जा सकता है।

1. लेखक का हृदय कब फटता है?

   उत्तर : समाज जब संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों की अवहेलना करता हैं, तब लेखक हृदय फटता है।

2. लेखक हमसे किस बात का हमेशा ध्यान रखने के लिए कहता है?

   उत्तर : आप चाहे जहाँ जाएँ, परंतु संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों को हमेशा याद रखे। लेखक हमसे इस बात का हमेशा ध्यान रखने के लिए कहता है।

3. मनुष्य का सब-कुछ कब नष्ट हो जाता है?
   उत्तर : चरित्र नष्ट होने से मनुष्य का सब-कुछ नष्ट हो जाता है।

4. सच्चे सुख के बारे में लेखक ने क्या कहा है?
   उत्तर : सच्चे सुख के बारे लेखक का मानना है कि सच्चा सुख अपनी आत्मा में ही होता है।

5. गद्यांश को उचित शीर्षक दें।
   उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'गीता जीने की कला' है।

प्र. 1. (ब) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखिए : 2x3=6

युग-युग अजेय, निर्बन्ध, मुक्त !
युग-युग शुचि, गर्वोन्नत, महान !
निस्सीम व्योम में तान रहा
युग से किस महिमा का वितान?
कैसी अखंड यह चिर-समाधि,
यतिवर ! कैसा यह अमर ध्यान?
तू महाशून्य में खोज रहा
किस जटिल समस्या का निदान?
उलझन का कैसा विषम जाल?
मेरे नगपति ! मेरे विशाल !

1. युग-युग अजेय, निर्बन्ध, मुक्त शब्दों में निहित भाव को समझाइए।
   उत्तर : कवि के द्वारा हिमालय के लिए उपर्युक्त विशेषणों का प्रयोग किया गया है। इन विशेषणों का प्रयोग इसलिए किया गया है क्योंकि आज तक कोई भी शत्रु इसे जीत नहीं पाया है हिमालय हमेशा से स्वतंत्र, अजेय और बंधन मुक्त रहा है।

2. कवि ने हिमालय को यहाँ पर 'यतिवर' क्यों कहा है? समझाइए।

उत्तर : कवि ने हिमालय को यतिवर इसलिए कहा है क्योंकि जिस प्रकार एक यतिवर अर्थात् तपस्वी अपने ध्यान में लीन रहता है ठीक उसी प्रकार सदियों से हिमालय की स्थिरता और अटूटता को देखकर हमें हिमालय यतिवर जैसा ही दिखता है।

3. कवि ने हिमालय की तुलना किससे की है? और वह महाशून्य में क्या खोज रहा है?

उत्तर : कवि ने हिमालय की तुलना तपस्या में लीन एक तपस्वी से की है। जिस प्रकार एक तपस्वी किसी समस्या का समाधान हेतु तपस्या में लीन रहता है ठीक उसी प्रकार हिमालय भी न जाने कौन-सी समस्या के समाधान हेतु समाधि लगाए बैठा है। ऐसी कौन-सी समस्या है कि जिस हेतु हिमालय इतनी कठिन साधना कर रहा है।

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2

ढक्कन, दंडित

उत्तर : ढ् + अ + क् + क् + अ + न् + अ

द् + अं + ड् + इ + त् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3

सास, नदियां

उत्तर : साँस, नदियाँ

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

जिंदगी, फैसला

उत्तर : ज़िंदगी फ़ैसला

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

जन्गल, कन्स

उत्तर : जंगल, कंस

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3

मजहबी, दैनिक

उत्तर : ई, इक

ख) उचित उपसर्ग पहचानिए :

दुर्लभ, संचालन

उत्तर : दूर्, सम्

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए :

शोभित, चलाऊ

उत्तर : शोभा + इत, चल + आऊ

प्र. 5. क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। 3

1. काश मैं उसे मिल पाता

   उत्तर : काश! मैं उसे मिल पाता।

2. बच्चों योगाभ्यास से जीवन नियमित बनता है

   उत्तर : "बच्चों, योगाभ्यास से जीवन नियमित बनता है।"

3. तो मैं क्या करूँ

   उत्तर : 'तो मैं क्या करूँ?'

ख) निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4

उल्लेख, पुष्पांजलि, सदैव, महेंद्र

उत्तर : उत + लेख, पुष्प + अंजलि, सदा + एव, महा + इंद्र

खंड 'ग'

प्र. 6. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए : (2+2+1) = 5

1. लेखक ने संसार में किस प्रकार के सुख को दुर्लभ माना है?

   उत्तर : लेखक ने संसार में अखाड़े की मिट्टी में लेटने, मलने के सुख को दुर्लभ माना है। यह मिट्टी तेल और मट्ठे से सिझाई जाती है और पवित्र होती है। इसे देवता के सिर पर भी चढ़ाया जाता है। ऐसी इस अखाड़े की मिट्टी को अपनी देह पर लगाना संसार के सबसे दुर्लभ सुख के समान है।

2. कीचड़ जैसा रंग कौन लोग पंसद करते हैं?

   उत्तर : कीचड़ जैसा रंग कला प्रेमी, कलाकार और फोटोग्राफर बहुत पसंद करते हैं। गत्तों दिवारों और वस्त्रों पर भी यह रंग पसंद किया जाता है।

3. धर्म के स्पष्ट चिह्न क्या हैं?

   उत्तर : धर्म के दो स्पष्ट चिह्न हैं - शुद्ध आचरण और सदाचार धर्म।

प्र. 6. (ब) हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं? 5

उत्तर : बर्फ़ के खंडों का अव्यवस्थित ढंग से गिरने को हिमपात कहा जाता है। ग्लेशियर के बहने से अक्सर बर्फ़ में हलचल मच जाती है। इससे बर्फ़ की बड़ी-बड़ी चट्टाने तत्काल गिर जाया करती हैं। अन्य कारणों से भी अचानक खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इससे धरातल पर बड़ी चौड़ी दरारें पड़ जाती हैं। अधिक हिमपात के कारण तापमान में भारी गिरावट आती है। रास्ते बंद हो जाते हैं।

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?

उत्तर : सुखिया के पिता पर मंदिर की चिरकालिक शुचिता को कलुषित करने तथा देवी का अपमान करने का आरोप लगाया गया और इस आरोप के अंतर्गत सुखिया के पिता को न्यायालय ले जाया गया और वहाँ न्यायधीश द्वारा सात दिनों के कारावास की सजा सुनाई गई।

2.'माँग मत', 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर : 'माँग मत', 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि यही कहना चाहता है कि मनुष्य को अपनी लक्ष्य प्राप्ति के लिए किसी भी प्रकार की अनपेक्षित चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए। उसे इस मार्ग में बिना किसी सहारे, सुखों की अभिलाषा और हर परिस्थिति का सामना करते हुए अपने लक्ष्य पर ही ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

3.नए इलाके में कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है?

उत्तर : नए इलाके में कविता में निम्नलिखित पुराने निशानों का उल्लेख है - पीपल का पेड़, ढहा हुआ घर, ज़मीन का खाली टुकड़ा, बिना रंग वाले लोहे के फाटक वाला मकान आदि।

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

1. 'आदमीनामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है?

उत्तर : 'आदमीनामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर हमारे मन में मनुष्य के प्रति धारणा बनती है कि प्रत्येक मनुष्य स्वभाव से अलग होता है। कोई अति साधन-संपन्न है तो अत्यंत गरीब। मनुष्य अपने व्यवहार से अच्छा-बुरा बनता है। यहाँ पर कुछ

लोग निहायती शरीफ़ होते हैं तो कुछ लोग हद दर्जे के कमीने होते हैं।

प्र. 8. जज को पटेल की सज़ा के लिए आठ लाइन के फ़ैसले को लिखने में डेढ़ घंटा क्यों लगा? 5

उत्तर : सरदार पटेल को गिरफ़्तार करके पुलिस के पहरे में ही बोरसद की अदालत में लाया गया। जज किस धारा के तहत और कितनी सजा सुनाएँ फैसला नहीं कर पा रहे थे क्योंकि अपराध तो कोई था ही नहीं और गिरफ़्तार हुई थी साथ ही सरदार पटेल ने अपराध स्वयं स्वीकार कर लिया था।

इसलिए उन्हें आठ लाइन का फैसला देने में डेढ़ घंटा लगा दिया।

खंड - 'घ'

प्र. 9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

बेरोज़गारी

देश में बेरोज़गारी का बढ़ना एक बहुत बड़ी समस्या है। यह समस्या नवयुवकों के लिए निराशा का विषय बनी हुई है। हमारी अधिकांश जनसंख्या बेरोजगारी के कारण भूखे पेट सोने और शिक्षा विहिन रहने के लिए विवश है। उसके पास किसी प्रकार की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। भारत एक विशाल जनसंख्या वाला राष्ट्र है। जनसंख्या जितनी तेजी से विकास कर रही है, व्यक्तियों का आर्थिक स्तर और रोजगार के अवसर उतनी ही तेज गति से गिरते जा रहे है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए यह संभव नहीं है कि वह इतनी बड़ी जनसंख्या को रोजगार दिलवा सके। भारत में बढ़ती बेरोजगारी को बड़े पैमाने पर व्याप्त अशिक्षा और भ्रष्टाचार समान रूप से बल प्रदान कर रहे हैं। औद्योगीकरण ने भी बेरोज़गारी के स्तर को हमारे देश में बढ़ाया है। बेरोज़गारी के कारण देश में आपराधिक वारदातों से संबंधित आंकड़ा भी दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। सरकार द्वारा इस समस्या को दूर करने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

सत्संगति

सत्संगति अर्थात अच्छों आचरण वाले लोगों की संगति। मनुष्य की संगति ही उसके व्यक्तित्व निर्माण को प्रभावित करती है। इसी लिए प्राचीन समय से धर्मग्रंथ तथा संत लोग मनुष्य को सत्संगति के लिए प्रेरित करते आए हैं।

कबीर तन पंछी भया, जहां मन तहां उडी जाइ।
जो जैसी संगती कर, सो तैसा ही फल पाइ।।

यह सच है कि मनुष्य जिन लोगों के साथ उठता बैठता है उनके स्वभाव और गुणों का उन पर प्रभाव पड़ता है। संत के साथ रहकर मानव कल्याण की बात और चोर के साथ रहकर चोरी जैसे अवगुण की बात सीखने मिलती है। अच्छी संगति हमारे अंदर के संत को और बुरी संगति हमारे अंदर के दानव को जागृत करती है। सत्संगति मनुष्य एवं समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सत्संगति मनुष्य को समाज में आदर पात्र बनाती है। सत्संगति मनुष्य के व्यक्तित्व और जीवन को सुंदर तथा प्रगतिशील बना देती है। दुर्जन का साथ पग-पग पर हानि पहुँचाता है।

ऋतुओं के बदलते रूप

भारत में प्रत्येक ऋतू दो-दो महीने रहती है। चैत और वैशाख में वसंत, ज्येष्ठ और आषाढ़ में ग्रीष्म, श्रावण और भाद्रपद में वर्षा, अश्विन और कार्तिक में शरद, मार्गशीर्ष और पौष में हेमंत, माघ और फाल्गुन में शिशिर (पतझड़) भारत में प्राय: सभी स्थानों पर ये ऋतूएँ अपना रूप एक बार अवश्य दिखलाती है।

वर्षाऋतू को वैसे तो जीवनदायनी माना जाता है परन्तु कभी-कभी यही जीवनदायनी प्राण घातक भी हो जाती है कभी बाढ़ आने के कारण जन धन सभी का नुकसान होता है। उसी प्रकार सर्दी और गर्मी का मौसम में भी होता है पर जब ठंड या गर्मी अधिक बढ़ जाती है तो लोगों के पास इससे बचने का उपाय न होने के कारण कई लोग मौत के मुँह में भी समा जाते हैं। मौसम में इस परिवर्तन का ज़िम्मेदार स्वयं मनुष्य ही है जो अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए प्रकृति का जिस प्रकार से हनन कर रहा है उसका

परिणाम ही मौसम में इस प्रकार के अनचाहे बदलाव हमें देखने के लिए मिल रहे हैं।

आज पहले की अपेक्षा हमें बाढ़, सूखा, अकाल, अतिवृष्टि बर्फबारी आदि प्राकृतिक घटनाएँ आए दिन देखने को मिलती है। इस सब का प्रमुख कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन है जिसके परिणामस्वरूप इस तरह की घटनाएँ आज आम हो गयी है। अत: मनुष्य समय रहते न चेता तो वह दिन दूर नहीं जब पूरी मानवता को अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

प्र. 10. छोटी बहन नक़ल करते पकड़ी गई है, उसका दुष्परिणाम बताते हुए उसे पत्र लिखें। 5

सेंट थॉमस छात्रावास

कमरा 234

पुणे

दिनाँक - 25 सितम्बर 2013

प्रिय दीक्षा

स्नेहाशीष

कल ही पिताजी का पत्र मिला पढ़कर तो जैसे मेरे ऊपर तुषारापात ही हो गया कि तुम परीक्षा में नक़ल करते पकड़ी गई हो। मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा है कि हमारी दीक्षा भी ऐसा काम कर सकती है। बहन यह ऐसा दाग है जो मिटाए नहीं मिटता, परंतु अब जो हो गया सो हो गया पिछली बातों को भूल कर नहीं शुरुआत करो तथा मन भटकाने वाले मित्रों से दूर रहो।

आशा करता हूँ कि तुम इस गलती से सबक लेकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केद्रित करोगी। अपना ख्याल रखना।

तुम्हारा अग्रज

मोहित

प्र. 11. दिए गए चित्र का वर्णन करें : 5

उपर्युक्त चित्र में हमें दादाजी अपने पोतों के साथ नजर आ रहे हैं। चित्र में दादाजी कुर्सी पर घर की बालकनी में बैठे है उनके पास ही उनका एक पोता जमीन पर बैठा हुआ है और दूसरा सामने खड़ा है। बच्चों ने अपने हाथों में तिरंगा पकड़ा हुआ है। दादाजी उन्हें शायद तिरंगे की कहानी बता रहे हैं। बच्चे भी बड़ी तन्यमयता से अपने दादाजी की बात सुन रहे हैं।

प्र. 12. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें।

उत्तर : निखिल : नमस्ते !

राहुल : नमस्ते !

निखिल : आप भी साक्षात्कार हेतु आए हैं।

राहुल : जी हाँ।

निखिल : बहुत ज्यादा उम्मीदवार आए है ना?

राहुल : जी, यह हाल तो हर जगह है।

निखिल : हाँ, मैं अब तक चार साक्षात्कार के लिए जा चूका हूँ। एक पद के लिए बीस-तीस उम्मीदवार तो रहते ही है।

राहुल : इसीलिए बेरोजगारी बढ़ रही है।

निखिल : सरकार को और अधिक रोजगार योजना बनानी होगी।

राहुल : सरकार भी क्या करें! उनकी योजनाएँ बढ़ती आबादी के सामने दम तोड़ देती है।

निखिल : सही कह रहे है।

राहुल : चलो मैं चलता हूँ। मेरा नंबर आ गया।

प्र. 13. मोबाइल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

टी 20 मोबाइल

आज की तकनीक की ,

आज की युवा पीढ़ी की माँग ,

है टी 20 मोबाइल